P: ISSN NO.: 2394-0344 RNI No.UPBIL/2016/67980 VOL-5* ISSUE-10* January- 2021
E: ISSN NO.: 2455-0817 *Remarking An Analisation*

ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त, लखनऊ के प्रबंधन दक्षता का आलोचनात्मक अध्ययन

Critical Study of Management Efficiency of Grameen Bank of Aryavart, Lucknow

Paper Submission: 15/01/2021, Date of Acceptance: 26/01/2021, Date of Publication: 27/01/2021

राम कृष्ण यादव
शोध छात्र,
वाणिज्य विभाग,
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल
विश्वविद्यालय, जौनपुर,
उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

इस शोध का उद्देश्य ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊकेबिजनेस प्रति कर्मचारी ,बिजनेस प्रति शाखा एवं लाभ प्रति कर्मचारी का अध्ययन करना। इस शोध प्रपत्र की अनुसंधान क्रियाविधि में ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के फाइनेंशियल ईयर 2006–7 से 2017–18 तक के डाटा का अध्ययन किया गया है। 2025 तक के भविष्य के डाटा के विश्लेषण के लिए 2006–7 से 2017–18 तक के फाइनेंशियल डाटा को आधार बनाया गया है । इस शोध के लिए मुख्यतः 4 वेरिएबल को लिया गया है जोकि वर्ष, बिजनेस प्रति कर्मचारी, बिजनेस प्रति शाखा एवं लाभ प्रति कर्मचारी हैं। बिजनेस की वैल्यू लाख में है ।इस शोध के द्वारा यह निष्कर्ष पाया गया किग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त के कर्मचारी बहुत ही कार्य कुशल हैं एवं प्रति कर्मचारी आर्यावर्त ग्रामीण बैंक का बिजनेस बढ़ता ही जा रहा है। प्रत्येक शाखा के परिपेक्ष में बैंक का व्यवसाय बढ़ता ही जा रहा है। ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्तकीलाभ प्रति कर्मचारी अनिश्चित रही है एवं इस दशा में बैंक प्रबंधन को अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है जिससे बैंक के लाभ को उत्तरोत्तर बढ़ाया जा सके।

The objective of this research is to study Grameen Bank of Aryavart Lucknow business per employee, business per branch and profit per employee. The research methodology of this research paper studies the data of the Financial Year 2006-7 to 2017-18 of Grameen Bank of Aryavart Lucknow. Financial data from 2006–7 to 2017–18 have been made the basis for analyzing future data up to 2025. For this research mainly 4 variables have been taken which are year, business per employee, business per branch and profit per employee. The value of the business is in lakhs. By this research it was found that the employees of Rural Bank of Aryavart are very efficient and the business of Aryavart Gramin Bank is increasing per employee. In the context of each branch, the bank's business continues to grow. The benefit of Grameen Bank of Aryavart has been uncertain per employee and in this case, the bank management needs to pay utmost attention so that the bank's profit can be increased progressively.

मुख्य शब्द : लोन, बिजनेस प्रति कर्मचारी ,बिजनेस प्रति शाखा एवं लाभ प्रति कर्मचारी।

Loans, Business Per Employee, Business Per Branch And Profit Per Employee.

प्रस्तावना

ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने वाला एक बैंक है। इसकी स्थापना भारत सरकार द्वारा १ अप्रैल २०१३ को हुई जब 'आर्यावर्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक' तथा 'श्रेयस ग्रामीण बैंक' का विलय करके इस बैंक का निर्माण किया गया। इस बैंक की 704 शाखाएँ तथा ११ क्षेत्रीय कार्यालय हैं जो लखनऊ के आसपास है जिसकी शखाए उत्तर प्रदेश के कई जिलों में है जैसे फिरोजाबाद, एटा हरदोई कन्नोज मैनपुरी, आगरा आदि।ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त के प्रबंधन दक्षता के अंतर्गत मुख्यतः बिजनेस प्रति कर्मचारी, बिजनेस पर शाखा प्रति शाखा एवं लाभ प्रति कर्मचारी के बारे में इस शोध प्रपत्र में अध्ययन किया गया है ।

साहित्यावलोकन

इस शोध के लिए हमने पूर्व के अनेकों लेखकों के कार्यों का अध्ययन किया है जिसके लिए कई प्रकार के शोध पत्र का सहारा लिया गया है जिसमें मुख्यतः ऑनलाइन लाइब्रेरी एवं ऑफलाइन लाइब्रेरी का भी प्रयोग किया गया है इसके साथ ही साथ सरकार द्वारा प्रकाशित समीक्षा रिपोर्ट्स का भी अध्ययन किया गया है जिससे हमें अपनी शोध की विस्तृत जानकारी मिल सके । इस लिटरेचर रिव्यू के लिए समाचार पत्रों का भी सहारा लिया गया है जिससे हमें वर्तमान की वस्तुस्थिति का पूर्ण ज्ञान हो सके, जिसका उपयोग हम अपने शोध के लिए अच्छी प्रकार से कर सकें ।इस अनुसंधान संदर्भ में, पूर्व लेखकों ने अपने शोध कार्य इस प्रकार दिए हैंःभारत में ग्रामीण लोगों को अभी भी ऋण की अपर्याप्त आपूर्ति के लिए समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से उन स्थानों पर जहां सुविधाओं का अभाव थाआरआरबी भारत में 1975 में अनिवार्य रूप से ग्रामीण लोगों के लिए बैंकिंग सेवा लेने के उद्देश्य से स्थापित कियागया था । (Kumar & Kansal, 2018) लगभग साढ़े तीन दशकों तक क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की उत्पत्ति से ग्रामीण ऋण प्रदान करने के लिए मजबूत संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता का पता लगाया जा सकता है। (Ahmed, 2015) अपनी स्थापना के बाद से, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) ने गहरी जड़ें जमा ली हैं और भारत में ग्रामीण ऋण संरचना का अविभाज्य हिस्सा बन गया है।(Misra, 2006)किसी देश के आर्थिक विकास में ग्रामीण बैंकिंग के महत्वपूर्ण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। जैसा कि गांधी ने कहा था "असली भारत गाँव में है" और गाँव की अर्थव्यवस्था भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास के बिना, आर्थिक नियोजन के उद्देश्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता है। (Kher, 2013)क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) की स्थापना कृषि और गैर–कृषि क्षेत्र की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के मकसद से की गई है। (Pradesh & Tiwari, 2019)कर्मचारी किसी भी संगठन के गतिशील तत्व हैं। उचित प्रकार के कर्मचारियों के बिना, किसी संगठन के उद्देश्यों को लाभ में परिवर्तित नहीं किया जा सकता है ।(ur Rehman, 2020)

Objective of the Study

अध्ययन के उद्देश्य

इस शोध का उद्देश्य प्रस्तुत हैः

1. ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के बिजनेस प्रति कर्मचारीका अध्ययन करना ।
2. ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के बिजनेस प्रति शाखा का अध्ययन करना ।
3. ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के लाभ प्रति कर्मचारी का अध्ययन करना ।

Research Methodology

अनुसंधान क्रियाविधि

इस शोध प्रपत्र की अनुसंधान क्रियाविधि में ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के फाइनेंशियल ईयर 2006–7 से 2017–18 तक के डाटा को विश्लेषण के लिए लाइन ग्राफ का अध्ययन किया गया है । 2025 तक के भविष्य के डाटा के विश्लेषण के लिए 2006–7 से 2017–18 तक के फाइनेंशियल डाटा को आधार बनाया गया है । इस शोध के लिए मुख्यतः 4 वेरिएबल को लिया गया है जोकि वर्ष,यवसायबिजनेस प्रति कर्मचारी , यवसाय बिजनेसप्रति शाखाएवं लाभ प्रति कर्मचारी हैं । यवसाय एवं लाभकी वैल्यू लाख में है ।

Data Analysis

ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के बिजनेस प्रति कर्मचारी(लाख मे) का अध्ययन

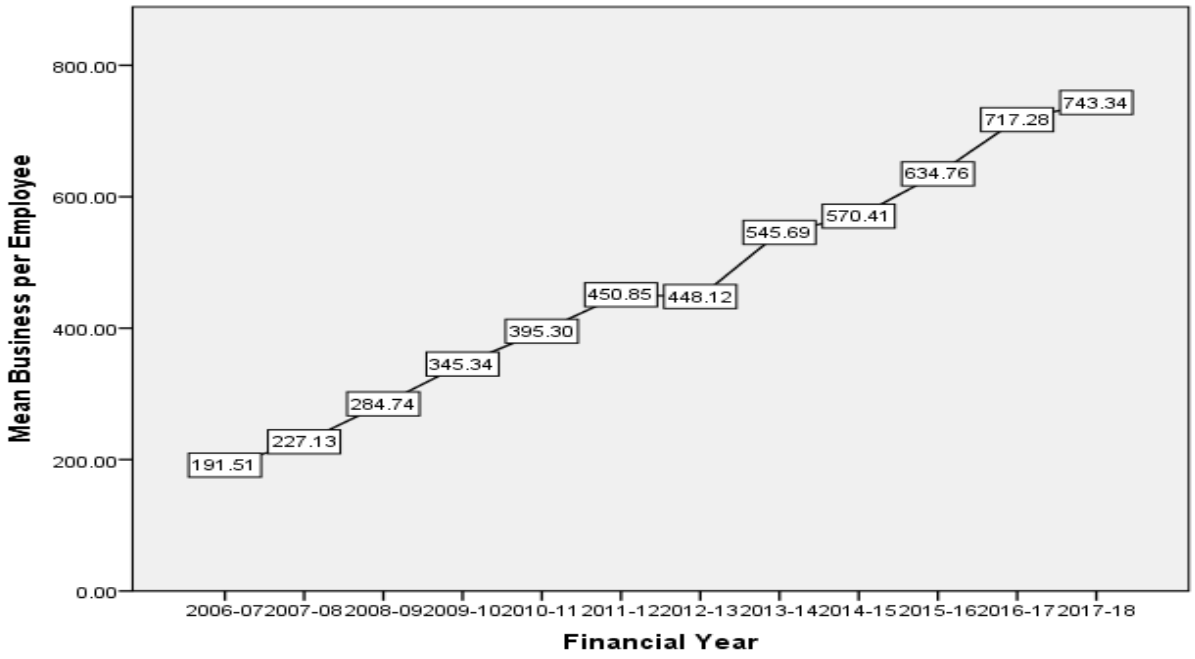

Figure 1: बिजनेस प्रति कर्मचारी (लाख मे)

उपरोक्त लाइन ग्राफ से स्पष्ट है कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त ने फाइनेंशियल ईयर 2006–7 मेबिजनेस प्रति कर्मचारी Rs 191-51 (लाख मे) दिया था । बिजनेस प्रति कर्मचारी की वैल्यू उत्तरोत्तर फाइनेंशियल ईयर 2017–18 तक आते आते Rs 734-34 (लाख मे) हो गई । किसी भी संस्थान की ऐसेट वैल्यू उसके कर्मचारी होते हैं एवं यदि बैंक के कर्मचारी अच्छा व्यवसाय दे रहे हैं तो बैंक अपने सभी योजनाओं का कुशलतापूर्वक योगदान ग्रामीण विकास में कर सकता है । फाइनेंशियल ईयर 2006–7 से 2017–18 तक बिजनेस प्रति कर्मचारी की वैल्यबढ़ती ही गई है,अतः हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त के कर्मचारी बहुत ही कार्य कुशल हैं एवं प्रति कर्मचारी आर्यावर्त ग्रामीण बैंक का बिजनेस बढ़ता ही जा रहा है जो कि ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है ।

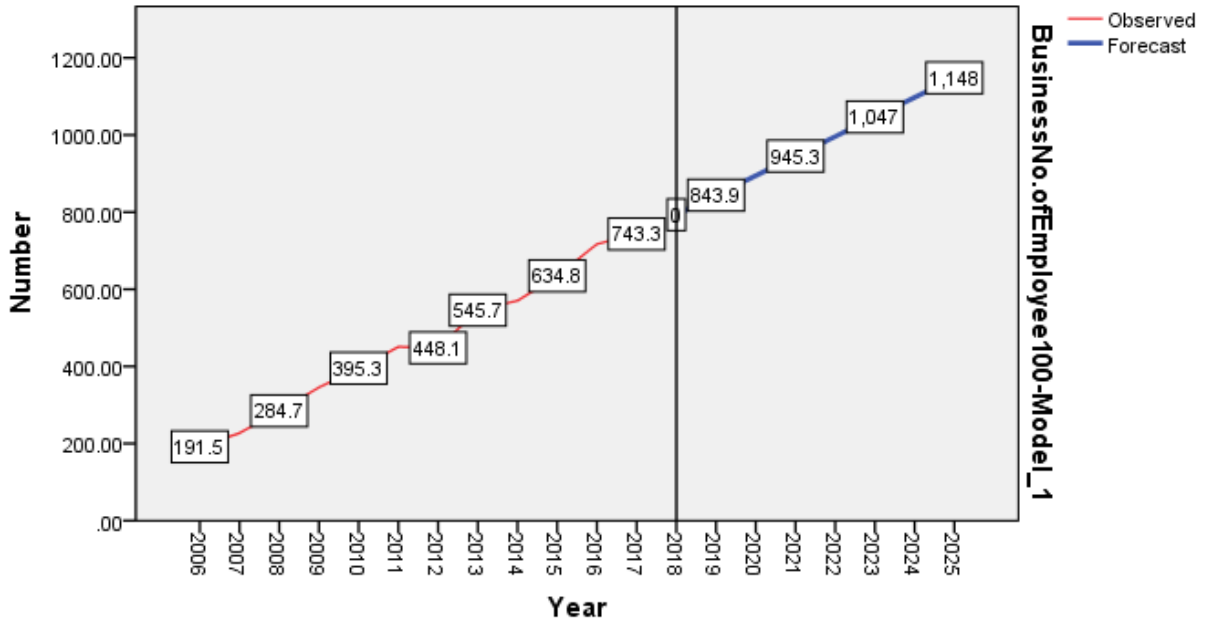

Figure 2: भविष्य मे बिजनेस प्रति कर्मचारी (लाख मे) up to 2025

उपरोक्त भविष्य लाइन ग्राफ से स्पष्ट है कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त 2025 तक आते आते संभवतःबिजनेस प्रति कर्मचारी Rs 1148(लाख मे)हो जाएगा । अतः हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त का बिजनेस प्रति कर्मचारी उत्तरोत्तर बढ़ता ही जाएगा जोकि बैंक के लाभ के लिए बहुत ही अच्छा होगा । इस प्रकार के बिजनेस बढ़ने से यह भी पता चलता है कि बैंक के कर्मचारी अत्यधिक कार्य कुशल हैं एवं अपनी सेवाएं बहुत ही कुशलतापूर्वक दे रहे हैं ।

ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के बिजनेस प्रति शाखा (लाख मे) का अध्ययन

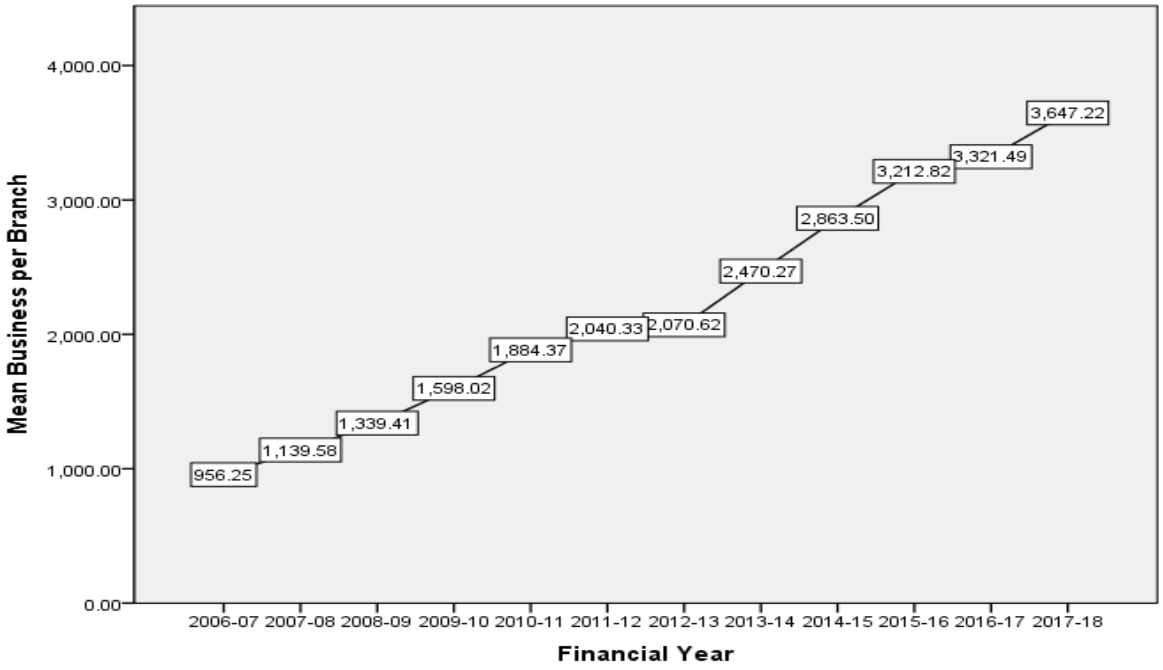

Figure 3:बिजनेस प्रति शाखा (लाख मे)

उपरोक्त लाइन ग्राफ से स्पष्ट है कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त ने फाइनेंशियल ईयर 2006–7 मेबिजनेस प्रति शाखा Rs 956.25 (लाख मे) दिया था । बिजनेस प्रति शाखा की वैल्यू उत्तरोत्तर फाइनेंशियल ईयर 2017–18 तक आते आते Rs 3647.22 (लाख मे) हो गई । बैंक की प्रत्येक शाखा का महत्वपूर्ण योगदान होता है एवं यदि बैंक की प्रत्येक शाखा अच्छा व्यवसाय कर रही है तो बैंक अधिक लाभ अर्जित करता है । प्रत्येक शाखा के परिपेक्ष में बैंक का व्यवसाय बढ़ता ही जा रहा है।

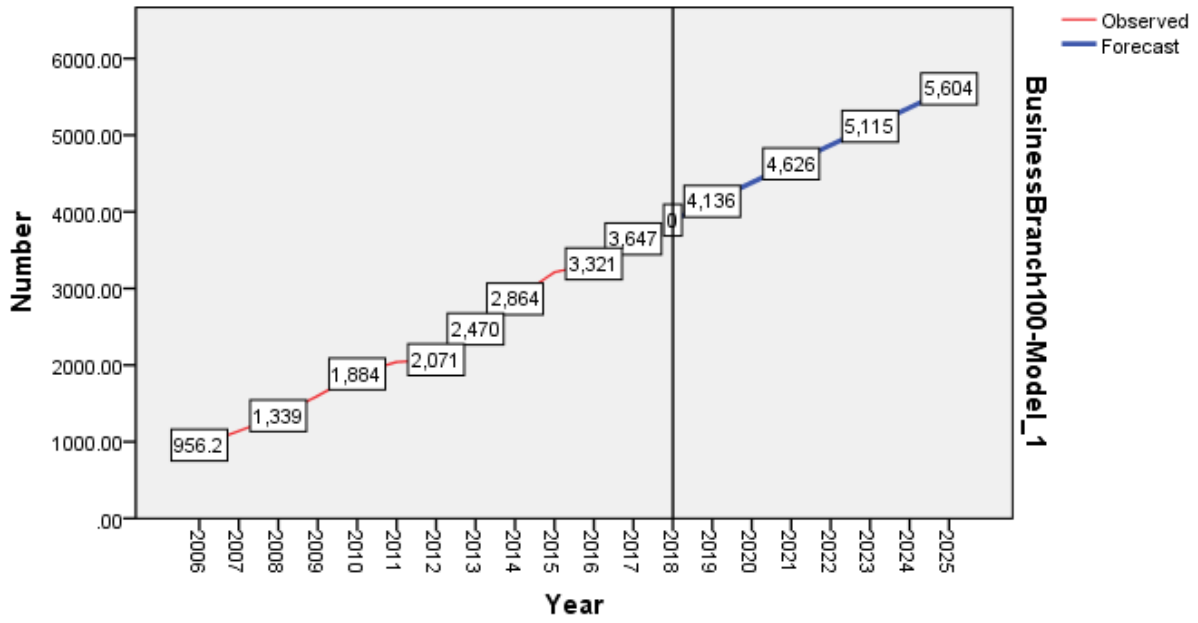

Figure 4:भविष्य मे बिजनेस प्रति शाखा (लाख मे) up to 2025

उपरोक्त भविष्य लाइन ग्राफ से स्पष्ट है कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त 2025 तक आते आते संभवतःबिजनेस प्रति शाखा Rs 5604 (लाख मे)हो जाएगा । अतः हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त का बिजनेस प्रति शाखा उत्तरोत्तर बढ़ता ही जाएगा जोकि बैंक के लाभ के लिए बहुत ही अच्छा होगा । इस प्रकार के बिजनेस बढ़ने से यह भी पता चलता है कि बैंक की शाखाएं अत्यधिक कार्य कुशल हैं एवं अपनी सेवाएं बहुत ही कुशलतापूर्वक दे रहे हैं एवं भविष्य में आर्यव्रत ग्रामीण बैंक की सभी शाखाएं बहुत ही बेहतरीन बिजनेस देंगे ।

ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लखनऊ के लाभ प्रति कर्मचारी (लाख मे) का अध्ययन

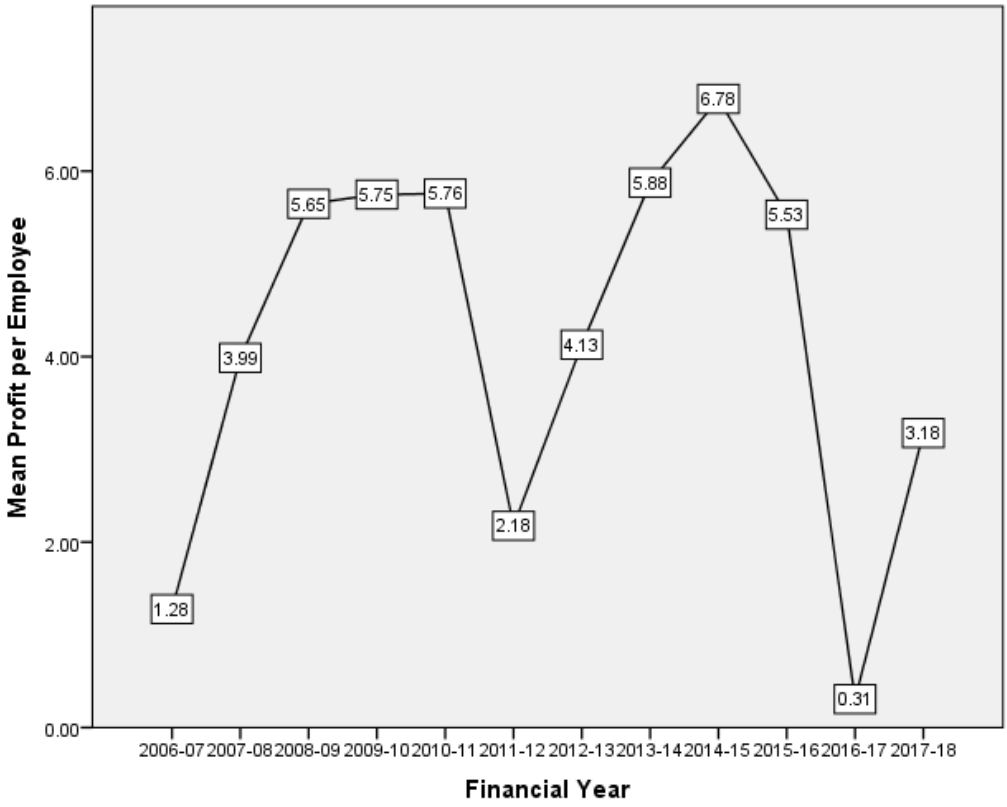

Figure 5: लाभ प्रति कर्मचारी (लाख मे)

उपरोक्त लाइन ग्राफ से स्पष्ट है कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त ने फाइनेंशियल ईयर 2006–7 मेलाभ प्रति कर्मचारी Rs 1.28 (लाख मे) दिया था । लाभ प्रति कर्मचारी की वैल्यू उत्तरोत्तर फाइनेंशियल ईयर 2017–18 तक आते आते Rs 3.18 (लाख मे) हो गई । सबसे कम लाभ प्रति कर्मचारी Rs 0.31 (लाख मे) फाइनेंशियल ईयर 2016–17 तकएवं सबसे अधिक लाभ प्रति कर्मचारी Rs 6. 78(लाख मे) फाइनेंशियल ईयर 2014–15 तकथा । किसी भी संस्थान की ऐसेट वैल्यू उसके कर्मचारी होते हैं एवं यदि बैंक के कर्मचारी अच्छा लाभ दे रहे हैं तो बैंक अपने सभी योजनाओं का कुशलतापूर्वक योगदान ग्रामीण विकास में कर सकता है । फाइनेंशियल ईयर 2006–7 से 2017–18 तक लाभ प्रति कर्मचारी की वैल्यकभी बड़ी एवं कभी घटी, अतः हम कह सकते हैं कि हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लाभ प्रति कर्मचारी अनिश्चित रही है एवं इस दशा में बैंक प्रबंधन को अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है जिससे बैंक के लाभ को उत्तरोत्तर बढ़ाया जा सके ।

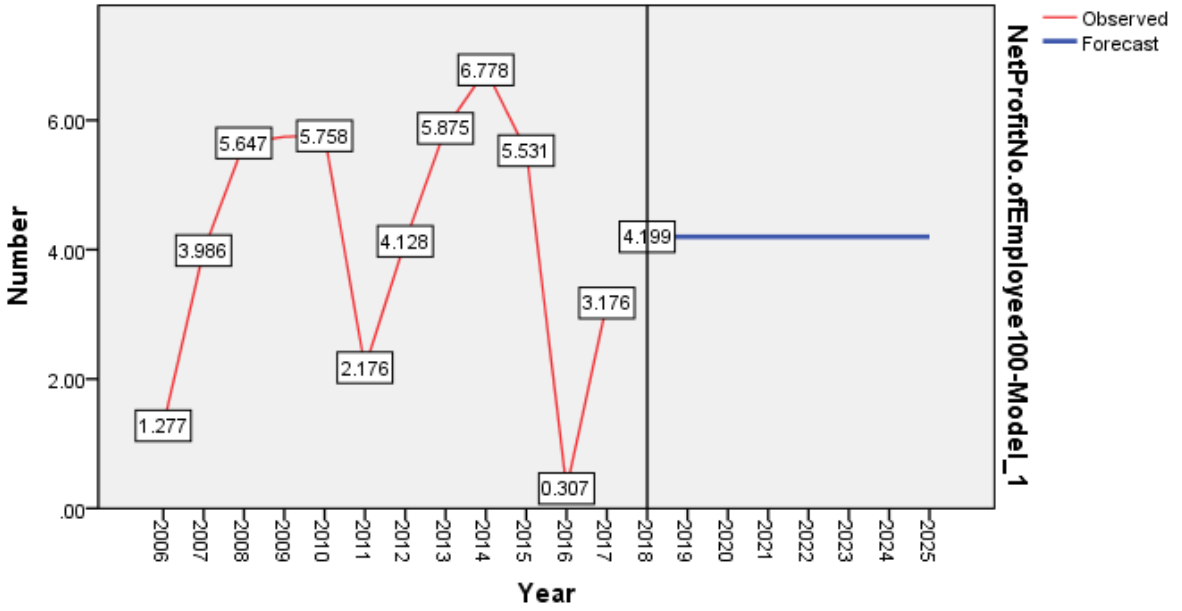

Figure 6: भविष्य मे लाभ प्रति कर्मचारी (लाख मे) up to 2025

उपरोक्त भविष्य लाइन ग्राफ से स्पष्ट है कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त 2025 तक आते आते संभवतःलाभ प्रति कर्मचारी Rs 4.19(लाख मे)हो जाएगा । अतः हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त का लाभ प्रति कर्मचारी उत्तरोत्तर नियत है जो कि सही नहीं है इस दिशा में उन कारणों का पता लगाना आवश्यक है जिससे लाख प्रति कर्मचारी को बढ़ाया जा सके ।

Conclusion
निष्कर्ष

अतः हम कह सकते हैं कि किसी भी संस्थान की ऐसेट वैल्यू उसके कर्मचारी होते हैं एवं यदि बैंक के कर्मचारी अच्छा व्यवसाय दे रहे हैं तो बैंक अपने सभी योजनाओं का कुशलतापूर्वक योगदान ग्रामीण विकास में कर सकता है । फाइनेंशियल ईयर 2006–7 से 2017–18 तक बिजनेस प्रति कर्मचारी की वैल्यबढ़ती ही गई है,अतः हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त के कर्मचारी बहुत ही कार्य कुशल हैं एवं प्रति कर्मचारी आर्यावर्त ग्रामीण बैंक का बिजनेस बढ़ता ही जा रहा है जो कि ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर सकता है ।बिजनेस प्रति शाखा की वैल्यू उत्तरोत्तर फाइनेंशियल ईयर 2017–18 तक आते आते Rs 3647.22 (लाख मे) हो गई ।बैंक की प्रत्येक शाखा का महत्वपूर्ण योगदान होता है एवं यदि बैंक की प्रत्येक शाखा अच्छा व्यवसाय कर रही है तो बैंक अधिक लाभ अर्जित करता है । प्रत्येक शाखा के परिपेक्ष में बैंक का व्यवसाय बढ़ता ही जा रहा है।फाइनेंशियल ईयर 2006–7 से 2017–18 तक लाभ प्रति कर्मचारी की वैल्यकभी बड़ी एवं कभी घटी, अतः हम कह सकते हैं कि हम कह सकते हैं कि ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त लाभ प्रति कर्मचारी अनिश्चित रही है एवं इस दशा में बैंक प्रबंधन को अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता है जिससे बैंक के लाभ को उत्तरोत्तर बढ़ाया जा सके ।

References
सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. *Ahmed, J. U. din. (2015). Performance Evaluation of Regional Rural Banks: Evidence from Indian Rural Banks. Global Business Review, 16(10), 125–139. https://doi.org/10.1177/0972150915601259*
2. *Kher, B. . (2013). The Role of Rural Banks in the Development of rural Socio-economy. International Journal of Research in Humanities and SOcial Science, 1(4), 31–36.*
3. *Kumar, M., & Kansal, M. (2018). Impact of merger & acquisition of regional rural bank with special reference of western U.P. International Journal of Research and Analytical Reviews, 5(3), 1974–1981.*
4. *Misra, B. S. (2006). The Performance of Regional Rural Banks (RRBs) in India : Has Past Anything to Suggest for Future? Reserve Bank of India Occasional Papers, 27(1), 89–118. Retrieved from https://rbidocs.rbi.org.in/rdocs/Publications/PDFs/73534.pdf*
5. *Pradesh, E. U., & Tiwari, S. C. (2019). Comparative Performance Evaluation of Regional Rural Banks : A Study of Comparative Performance Evaluation of Regional Rural Banks : A Study of Eastern Uttar Pradesh , India Kishan Jee Department of Finance , GNS University Neeraj Kumar Department of Econ. (November).*
6. *ur Rehman, A. (2020). Innovation and Management by Regional Rural Banks in Achieving the Dream of Financial Inclusion in India: Challenges and Prospects. Marketing and Management of Innovations, (1), 222–234. https://doi.org/10.21272/mmi.2020.1-18*

Websites

1. *http://www.aryavart-rrb.com/*
2. *https://www.nabard.org/*
3. *https://www.rbi.org.in/*